ग्वालियर को दिल्ली-बेंगलुरु के लिए मिली नई उड़ान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 4 मई. केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज सोमवार को दिल्ली से वर्चुअली ग्वालियर हवाई अड्डे से अकासा एयरलाइंस की बेंगलुरु-दिल्ली-ग्वालियर और ग्वालियर-दिल्ली-बेंगलुरु की नई उड़ान सेवा का शुभारंभ करते हुए इस दिन को ग्वालियर के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक हवाई सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि ग्वालियर के आत्मविश्वास, विकास की रफ्तार और नए भारत की पहचान की उड़ान है।

सिंधिया ने दिल्ली से नई हवाई सेवा का किया शुभारंभ

सिंधिया ने कहा कि अब ग्वालियर से दिल्ली और बेंगलुरु के लिए हवाई कनेक्टिविटी और मजबूत हो गई है। अब तक यहाँ से इंडिगो की उड़ानें सप्ताह में केवल तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) संचालित हो रही थीं, लेकिन अब अकासा एयर के जुड़ने से सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को भी उड़ान उपलब्ध होगी। इस प्रकार अब सप्ताह में 6 दिन सीधी हवाई सेवा उपलब्ध होगी, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने आमजन से इस सेवा का भरपूर उपयोग करने का आह्वान किया।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा लाभ- सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटन केंद्र है और नई हवाई सेवा से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। इससे होटल उद्योग, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को सीधा लाभ मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।इस अवसर पर मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक मोहन सिंह राठौड़, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, चेंबर अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल एवं प्रदीप पाराशर सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य उपस्थित रहे।

कनेक्टिविटी से ही विकास की गति : सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां कनेक्टिविटी होती है, वहीं प्रगति होती है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर अब केवल अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक कनेक्टिविटी और विकास के लिए भी पहचाना जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है, मुंबई आर्थिक राजधानी है और ग्वालियर देश का दिल है, अब इस दिल की धड़कन देशभर में महसूस की जाएगी। इस अवसर पर सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और 'विकसित भारत 2047' के विजन के कारण ही ऐसी कनेक्टिविटी परियोजनाएं साकार हो रही हैं। साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेतन न मिलने पर आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 4 मई. मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार, 4 मई को एक बड़ा प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और शाम 5 बजे राज्यपाल के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, पहले चेतावनी फिर होगा आंदोलन :कोमल सिंह

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शासन-प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई, तो आने वाले समय में आंदोलन और उग्र किया जाएगा। कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से शासन के समक्ष प्रमुख मांगें रखी हैं।

वेतन भुगतान: पिछले 5 से 6 माह से लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए, विभाग में रिक्त पड़े पदों पर आउटसोर्स कर्मचारियों को स्थायी किया जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक ठोस नीति तैयार कर न्यूनतम वेतन 26,000 प्रति माह सुनिश्चित किया जाए। संघ ने अपनी मांगों के समर्थन में तीन चरणों के क्रमिक आंदोलन की घोषणा की है। प्रथम चरण (4 मई) कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया। द्वितीय चरण (18 मई) प्रदेश के समस्त जिलों में प्रमुख सचिव के नाम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। तृतीय चरण (25 मई) यदि मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के बंगले के बाहर एकत्रित होकर प्रदेशव्यापी क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी चरणों में कोई भी अप्रिय स्थिति बनती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

20 वर्षीय सलोनी को मिला नया जीवनदान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 4 मई. डबरा की रहने वाली 20 वर्षीय युवती सलोनी, जो पिछले दो वर्षों से चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ थी, को एक नया जीवनदान मिला है। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन) व वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आर.के.एस. धाकड़ और उनकी टीम ने युवती के दूसरे कूल्हे का भी जटिल व सफल प्रत्यारोपण किया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने बताया कि सलोनी दो साल पहले जब ओपीडी में आई थी, तब जांच में उसके थायराइड की गंभीर बीमारी से ग्रसित होने का पता चला था। इस बीमारी के कारण मात्र 20 वर्ष की आयु में उसके दोनों कूल्हे खराब हो चुके थे और हड्डियां बेहद कमजोर हो गई थीं।

मरीज की गंभीर हालत को देखते हुए दो वर्ष पूर्व उसका एक कूल्हा बदला गया था, और अब सोमवार को दूसरे कूल्हे का सफल प्रत्यारोपण किया गया।

चिकित्सकों के अनुसार, इतनी कम उम्र में हिप जॉइंट खराब होना एक दुर्लभ स्थिति है।

कमजोर हड्डियों में इंप्लांट को स्थिर रखना कठिन था, जिसे टीम ने पूरी सावधानी के साथ पूरा किया। करीब एक घंटे तक चली इस सर्जरी में डॉ. विकास सिंघल और डॉ. प्रखर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने निर्णय लिया है कि हड्डी रोग विभाग (ऑर्थोपेडिक) के अंतर्गत आने वाले सभी अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशनों को वे स्वयं अपनी देखरेख में करेंगे।

म.प्र. में पहली बार 'टोटल नी रिप्लेसमेंट'

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 4 मई. जिला चिकित्सालय, मुरार ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश के किसी भी जिला चिकित्सालय में पहली बार 'टोटल नी रिप्लेसमेंट' जैसी उन्नत सर्जरी का सफल संचालन किया गया है। 73 वर्षीय बुजुर्ग के इस जटिल ऑपरेशन के बाद सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की बढ़ती दक्षता और उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं की एक नई मिसाल पेश हुई है। 73 वर्षीय मरीज के घुटने के खराब जोड़ को कृत्रिम इम्प्लांट से सफलतापूर्वक बदला गया। इससे मरीज को असहनीय दर्द से राहत मिलेगी और चलने-फिरने की क्षमता में सुधार होगा।यह उपलब्धि कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संभव हुई है।

73 वर्षीय मरीज का मुरार जिला चिकित्सालय में सफल ऑपरेशन

चिकित्सकों के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान सबसे बड़ी चुनौती एनेस्थीसिया देने की थी। मरीज की लंबर स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) में पहले से ही इम्प्लांट मौजूद था, जिसके कारण प्रक्रिया काफी जटिल हो गई थी। हालांकि, एनेस्थीसिया टीम के विशेषज्ञों ने अपनी सूझबूझ और अनुभव से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार किया।

इस बड़ी उपलब्धि का श्रेय इन चिकित्सकों को जाता है- मुख्य सर्जन: डॉ. यश शर्मा (अस्थि रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल, ग्वालियर). विशेष मार्गदर्शन: डॉ. विपिन गोस्वामी (वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ). एनेस्थीसिया टीम: डॉ. श्रद्धा गोस्वामी और डॉ. सृष्टि वर्मा (नेतृत्वकर्ता).

अधिकारियों की प्रतिक्रिया

सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव और सिविल सर्जन डॉ. आर.के. शर्मा ने इस सफलता को प्रदेश और स्वास्थ्य विभाग के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने पूरी चिकित्सा टीम को बधाई देते हुए मरीज के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सिविल सर्जन डॉ. आर.के. शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इनका कहना है

आज जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने बड़ी सफलता हासिल की है इसके पीछे कलेक्टर मैडम को पूरा श्रेय है। उन्होंने हमें स्वतन्त्र छोड़ रखा है उनका कहना है कि आप अच्छे से अच्छा काम करें। प्रशासन से हर प्रकार की मदद दिलवाने को मैं तैयार हूँ। कुछ दिनों पहले भी हमनें कूल्हों का बड़ा ऑपरेशन किया था आगे भी प्रयास रहेगा कि जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की टीम और अच्छे से अच्छा काम करे।

राजेश बिरथरिया
सहायक प्रबंधक
जिला चिकित्सालय मुरार